**71. एक प्रतिभूति बन्धपत्र पर वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर दावा करता है-**

1. यह कि तारीख ............................. को वादी ने बम्बई के नगर में उसकी सम्पत्तियों के अभिधारियों से किराये के संग्रहण के लिए उसके................... ...................के रूप में श्री ................... ................... को नियोजित किया।
2. यह कि ......... ....................... के नियोजन के विचार में, प्रतिवादी अपने बन्धपत्र द्वारा यह करार किया कि वह कारित हुई हानि की रकम .....................रुपये तक उत्तरदायी होगा यदि किसी के द्वारा वादी के अधीन उसके नियोजन के दौरान..................................... को संदाय किया यदि उपर्युक्त ................... ने श्रद्धापूर्वक उसके कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया और उपर्युक्त .................विस्तार तक वादी को कोई सदोष हानि हुई। प्रतिवादियों ने भी नुकसानी की कथित हानि पर उसके द्वारा वादी को संदाय किया जाने के लिए हित के ............. ...................प्रतिशत वार्षिक दर पर संदाय करने का करार किया। जो उपर्युक्त कर्मचारी द्वारा कारित की जा सके।
3. यह कि श्री ........... .......................... उपर्युक्त कर्मचारी ने वादी को श्रद्धापूर्वक अपनी सेवाएं नहीं प्रदान की और जानबूझकर ... ............................रुपये की हानि की जिसके ब्यौरे इस वादपत्र के साथ संलग्न की गयी अनुसूची में दिये जाते हैं। और वही कथित ................... ........ और न प्रतिवादी ने वादी की हानि के लिए अपना लेखा दिया और वही रजिस्ट्रीकृत किये गये पद के माध्यम से उन दोनों को तामील की गयी नोटिस के बावजूद भी असंदत्त की हुई रहती है।
4. यह कि वाद हेतुक तारीख ................... ................... को पैदा हुआ जब प्रतिवादियों ने नोटिस प्राप्त किया और अन्तिम रूप से तारीख ........ ................... ...को जब प्रतिवादीगण तारीख ........ ............... को वादी द्वारा प्राप्त किये गये उत्तर के माध्यम अस्वीकृति के द्वारा अपने दायित्व में (shired) हो गये है।
5. यह कि इस न्यायालय के पास वाद का विचारण करने की अधिकारिता है।
6. यह कि वाद का मूल्यांकन ....... ................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोषः**

इस वाद के रूप में दावाकृत अनुतोष ................... प्रतिशत वार्षिक की दर पर या वैसे जैसे न्यायालय उपयुक्त या उचित समझे, ब्याज सहित संयुक्त रूप से या पथक तौर पर प्रतिवादियों द्वारा ...................रुपये का संदाय करना है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी